

समुदाय के नौ विधायक सोमवार को विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हुए। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में नंगा समुदाय के छह लोगों की कुछ महीने पहले हत्या कर दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में जिला पंचायत सीईओ के लिए गांवों का निरीक्षण करना अनिवार्य

मंत्री ईश्वर खांडे का एलान



बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खांडे ने सोमवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के लिए गांवों का नियमित निरीक्षण करना अनिवार्य कर दिया। जिला पंचायत के सीईओ को सप्ताह में कम से कम दो दिन चार से पांच गांवों का औचक दौरा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग के सचिव को लिखे निर्देश में खांडे ने कहा कि सीईओ बिना पूर्व सूचना के ग्राम पंचायतों का दौरा करें, कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच करें, पंचायत विकास अधिकारियों और तालुक कार्यपालक अधिकारियों के कामकाज का जायजा लें, लोगों की शिकायतें सुनें और उनमें से कुछ शिकायतों का मौके पर ही समाधान करें। खांडे ने कहा कि राज्य की 6.13 करोड़ आबादी में से 4.45 करोड़ लोग 26,589 गांवों में रहते हैं। इसलिए जिला पंचायत के सीईओ को ग्रामीण विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़कें, स्वच्छता और रोजगार सुनिश्चित करने से गांवों से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी, शहरी क्षेत्रों पर दबाव कम होगा और ग्रामीण विकास को गति मिलेगी।

त्रिपुरा में दो संदिग्ध हथियार तस्कर गिरफ्तार, पिस्तौल और कारतूस बरामद



अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा पुलिस और असम राइफल्स ने बिहार से अगरतला आए हथियारों के दो संदिग्ध डीलरों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि जब त्रिपुरा पुलिस के जवान रविवार रात अगरतला-खावाई रोड पर शालबगान इलाके में गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे, तो उन्हें असम राइफल्स से जानकारी मिली कि दो लोग डेमडोमिया से अगरतला की ओर पैदल आ रहे हैं और उनके पास अवैध हथियार और गोला-बारूद हैं। शालबगान इलाके में एक ज्वाइंट ऑपरेशन में दोनों को रोका गया और हिरासत में ले लिया गया। तलाशी के दौरान, उनके पास से दो पिस्तौल, तीन मैगजीन और अन्य सामान बरामद किए गए। आरोपितों की पहचान सूरज कुमार और श्रीकांत कुमार के तौर पर हुई, जो क्रमशः बिहार के लखीसराय और वैशाली जिलों के रहने वाले हैं। वे बरामद हथियारों और गोला-बारूद को रखने के लिए कोई वैध लाइसेंस या कानूनी दस्तावेज नहीं दिखा पाए। इसके बाद हथियारों और गोला-बारूद को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

राजस्थान में निकाय चुनाव के लिए बेनीवाल और ओवेसी की पार्टी का गठबंधन

तीसरा विकल्प खड़ा करने का किया एलान



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा चुनाव से करीब सवा दो वर्ष पूर्व एआईएमआईएम (आल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन) और आरएलपी (राष्ट्रीय लाकतांत्रिक पार्टी) ने चुनावी गठबंधन किया है। दोनों पार्टियों ने राज्य में भाजपा और कांग्रेस के मुकाबले में तीसरा राजनीतिक विकल्प तैयार करने की घोषणा की है। एआईएमआईएम के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी एवं आरएलपी अध्यक्ष, सांसद हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान में तीसरे विकल्प की शुरुआत बताते हुए कहा कि अब राज्य में नई राजनीति होगी। बेनीवाल की जाट समाज के युवाओं में अच्छी पकड़ है। वहीं, ओवैसी लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में करने में जुटे हैं। उन्होंने प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक पार्टी की टीम गठित की है। बेनीवाल जाट समाज के करीब 10 फीसदी एवं ओवैसी मुस्लिम समुदाय के करीब 9 फीसदी वोटों के सहारे अपनी-अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं।

बिहार में नदियां उफान पर, उत्तराखंड-हिमाचल में भूस्खलन महाराष्ट्र के अंबोली में हुई चेरापूंजी से ज्यादा बारिश

पटना, मुंबई, देहरादून, एजेंसी। उत्तर और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहने की संभावना है और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम का यह सिस्टम उत्तर प्रदेश के मध्य हिस्सों में बने कम दबाव वाले क्षेत्र मानसून टूफ और देश भर के मौसम पर असर डालने वाले कई अन्य वायुमंडलीय सिस्टम से प्रभावित हो रहा है। बिहार में नदियां उफान पर हैं, उत्तराखंड में पिछले एक हफ्ते से रुक-रुककर बारिश जारी है और कई जगहों पर भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश में शिमला-किन्नौर नेशनल हाईवे-5 पर भारी लैंडस्लाइड हुआ। इसके अलावा महाराष्ट्र के अंबोली में चेरापूंजी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, अगस्त तक 250 इंच बारिश हो चुकी है और सितंबर तक 400 इंच तक पहुंचने की संभावना है।

कहां-कहां बारिश होने की संभावना है: मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम



बंगाल, ओडिशा और कई पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। यह चेतावनी उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में जोरदार बारिश के बाद जारी की गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 20 सेंटीमीटर से ज्यादा बहुत भारी बारिश दर्ज की गई, जिसमें बरेली में भी बहुत भारी बारिश हुई। उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में भी 12 से 20 सेंटीमीटर तक बहुत भारी

बारिश की खबर मिली है। कम दबाव का जो क्षेत्र पहले दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उससे सटे इलाकों में था, वह अब राज्य के मध्य हिस्सों में खिसक गया है। मौसम विभाग का कहना है कि मौसम की कई अन्य प्रणालियां भी हालात पर असर डाल रही हैं, जिनमें कम दबाव वाले क्षेत्र से जुड़ा एक टूफ, हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले दो पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर-पूर्वी बिहार तथा

असम के कुछ हिस्सों में चक्रवाती परिसंचरण शामिल है।

किन राज्यों के लिए जारी किया गया येलो अलर्ट

मंगलवार को बारिश की गतिविधियां मुख्य रूप से देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर हिस्सों में केंद्रित रहने की उम्मीद है। पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों सहित कई राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है वहीं, दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में मौसम का मिजाज कुछ अलग रहने की उम्मीद है। अगले कुछ दिनों तक प्रायद्वीप में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है। हालांकि, मंगलवार को केरल में गर्मी और उमस का दौरा जारी रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने तेलंगाना में तेज सतही हवाओं को लेकर भी चेतावनी जारी की है। कुछ इलाकों में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है।

आने वाले दिनों में भारी बारिश का अनुमान

मौसम के व्यापक अनुमान से पता चलता है कि आने वाले दिनों में भारी बारिश का दौर पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की ओर बढ़ सकता है। 9 सितंबर तक, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की जा सकती है। इसके बाद भी उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, केरल, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। फिलहाल, बारिश वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के आखिरी दौर में कई मौसमी सिस्टम एक-दूसरे को प्रभावित कर रहे हैं।

उत्तराखंड के 11 हजार छात्रों को CM धामी की सौगात, मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग से संवरेगा भविष्य



देहरादून, एजेंसी। प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब आर्थिक बाधा नहीं आएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विद्यार्थियों को निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग के लिए मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना को हरी झंडी दिखाई। इसके अंतर्गत हर वर्ष 11 हजार विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं व्यावसायिक कोचिंग संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण तैयारी कराई जाएगी। सोमवार को मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री धामी ने निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग योजना का किया उद्घाटन: योजना में संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए दो हजार विद्यार्थियों, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे, बैंकिंग सेवा एवं समकक्ष परीक्षाओं के लिए पांच हजार, रक्षा सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दो हजार, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, स्नातक अभियांत्रिकी अभिरुचि परीक्षा, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद तथा कनिष्ठ शोध

अध्येता जैसी परीक्षाओं के लिए एक हजार और प्रबंधन प्रवेश परीक्षाओं के लिए एक हजार विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

ऑनलाइन छंटनी परीक्षा से होगा विद्यार्थियों का चयन

योजना का लाभ लेने के इच्छुक विद्यार्थियों का चयन खुली ऑनलाइन छंटनी परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। विद्यार्थी निर्धारित पोर्टल पर आवेदन कर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। परीक्षा में प्रदर्शन, योग्यता एवं निर्धारित पात्रता के आधार पर चयन होगा। मेधावी विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। ऑनलाइन कक्षाएं ही नहीं, डिजिटल अध्ययन से भी सहयोग: विद्यार्थियों को सीधे प्रसारित होने वाली कक्षाओं के साथ अभिलिखित व्याख्यान, डिजिटल अध्ययन सामग्री, विषयवार प्रश्न बैंक, नियमित ऑनलाइन परीक्षा, नमूना परीक्षा और परीक्षा प्रारूप आधारित अभ्यास की सुविधा मिलेगी। प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन कर कमजोर विषयों में अतिरिक्त अभ्यास कराया जाएगा। **प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन:** गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के लिए विभाग ने दिल्ली के स्टडी आईव्यू, लखनऊ के महेन्द्र प्राइवेट लिमिटेड और देहरादून के दूर द्रीमर्स जैसे संस्थानों का चयन किया है।

यमन में जेल पर सऊदी हमले का आरोप: बच्चे समेत सात की मौत

हूतियों का दावा-लेंगे बदला, तनाव यों बढ़ा

काहिरा, एजेंसी। यमन के उत्तरी हिस्से में सोमवार को एक जेल पर हमला हुआ। हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया कि यह हमला सऊदी अरब ने किया। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हुई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। कम से कम सात लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में एक महिला भी है। हमला रणनीतिक रूप से अहम अल-जौफ प्रांत के हज्ज शहर में स्थित सेंट्रल करैक्टिव

फैसिलिटी पर हुआ। जेल की इमारत का एक हिस्सा हमले के बाद मलबे में बदल गया। जेल वार्डन के मुताबिक, 35 कैदी और पति से मिलने आई एक महिला मलबे में फंसे थे।

हूतियों ने सऊदी अरब पर क्यों लगाया आरोप: हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-असबही ने सऊदी अरब पर हमले का आरोप लगाया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने भी सऊदी अरब पर हवाई हमले करने और जौफ में 'नरसंहार' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने एक निगरानी ड्रोन भी

तैनात किया और भाड़े के लड़ाकों को अलग-अलग हथियार मुहैया कराए। सारी ने कहा, 'यमन के खिलाफ जारी सऊदी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा और उसे सजा मिलेगी।' सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

क्या पहली बार हुआ जेल पर हमला: नहीं। यमन युद्ध के दौरान जेलों और हिरासत केंद्रों पर पहले भी हमले हुए हैं। 2022 में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के एक हमले में उत्तरी सादा प्रांत की एक हिरासत सुविधा निशाना बनी थी। इसमें कम से कम 87

कैदियों की मौत हुई थी और करीब 266 लोग घायल हुए थे। सितंबर 2019 में दक्षिण-पश्चिमी धमर प्रांत में हूतियों द्वारा संचालित हिरासत केंद्र पर हमला हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे।

यमन में गृहयुद्ध की शुरुआत कैसे हुई और हालात क्यों बिगड़े: यमन में गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ। तब हूती विद्रोही अपने उत्तरी गढ़ से आगे बढ़े और राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। फिर सऊदी अरब में निर्वासन के लिए जाना पड़ा।

लेबनान में इस्राइली हमले में 12 की मौत: हूती लड़ाकों का दावा- सऊदी विमान गिराया; प. एशिया में क्या हैं हालात

दुबई, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी इलाके के एक गांव पर इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत हुई है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। इस बीच, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के एक टोही विमान को मार गिराने का दावा किया है। पिछले हफ्ते सऊदी अरब के एक टैंकर पर हमला हुआ था। उसके चालक दल के सात सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इस्राइल ने सोमवार तड़के दक्षिणी लेबनान के कफर रुमान गांव पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई। इनमें एक पैरामेडिक, चार महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं।

आईडीएफ ने हमला क्यों: यह हमला इस्राइल और ईरान समर्थित हिजबुल्ला के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के कई लड़ाकों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, ये लोग कफर रुमान में हथियार पहुंचा रहे थे। सेना ने यह भी कहा कि वह इस दावे की जांच कर रही है कि रात के हमलों में कई आम लोग घायल हुए। इस्राइल के अनुसार, ये हमले हिजबुल्ला के उन लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने इलाके में



सैनिकों पर विस्फोटक ड्रोन से हमला किया था। **हूती विद्रोही ने क्या दावा किया:** ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने उत्तरी यमन में सऊदी अरब का एक सशस्त्र टोही विमान मार गिराया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि विमान जौफ प्रांत के हवाई क्षेत्र में देखा गया था। उनके अनुसार, यह सऊदी अरब का विमान था और कथित तौर पर 'दुश्मनी की कार्रवाई' के लिए वहां आया था।

इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। सऊदी अरब की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

कितने ड्रोन मार गिराने का दावा: हूती प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सऊदी अरब के कुल तीन टोही ड्रोन मार गिराए गए हैं। इनमें से एक सोमवार सुबह बायदा प्रांत में देखा गया था।

यमन की सेना ने क्या कहा यमन की ससरकी सेना ने सोशल मीडिया पर कहा कि

उसने दहले प्रांत में हूती लड़ाकों के ठिकानों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, उसने बायदा प्रांत में हूती ठिकानों और मिसाइल दागने वाले अड्डे पर 13 हवाई हमले किए। मारिब प्रांत में भी हूती ठिकानों पर हमले किए गए। हूती विद्रोहियों की सेना ने इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

संयुक्त राष्ट्र ने क्या चेतावनी दी: यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रुंडबर्ग ने हूतियों के कई मोर्चों पर लड़ाई बढ़ाने को बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका असर यमन के आम लोगों पर भी पड़ सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर यूएई ने क्या कहा: संयुक्त अरब अमीरात के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि किसी एक देश को होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं करना चाहिए। ईरान ने कहा कि वह वह इस जलमार्ग के पास एक नया 'प्रतिबंधित क्षेत्र' घोषित करने की योजना बना रहा है। इसका मकसद वहां से गुजरने वाले जहाजों को रोकना बताया गया है। यूएई के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार अनवर गराशा ने अबू धाबी में विश्व नेताओं के एक सम्मेलन में यह बात कही।

ईरान को लेकर यूएई की चेतावनी क्या

नेपाल जलप्रलय: 65 स्कूल आज से खुलेंगे

बच्चों को सदमे से निकालने की कोशिश; देश में 13वें दिन शोक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जल प्रलय के दो हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन नुवाकोट, रसुवा और आसपास के जिलों में जिन बच्चों ने बाढ़ का तांडव देखा या अपनों को खोया, वे एक अदृश्य डर से जूझ रहे हैं। तो कोई आपदा की याद दिलाने वाली किसी भी आवाज से सहम जाता है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने की कवायद के बीच इन बच्चों को सदमे से बाहर लाने की कोशिशें भी जारी हैं। मेडिकल टीमें मानसिक सेहत सुधारने के लिए काउंसलिंग भी करा रही है। नुवाकोट के विधुर में प्रशासन बुधवार से 65 स्कूलों को खोलने की तैयारी भी कर रहा है। बाढ़ से पहले बिदुर में कुल 79 स्कूल चल रहे थे। बिदुर की डिट्टी मेयर प्रभा बांगटी ने कहा, स्कूल इस बात का बंदोबस्त करेंगे कि वे आसानी से अपनी कक्षाओं में शामिल हो सकें। इस बीच, आपदा के 13वें दिन नेपाल में राष्ट्रीय शोक मनाया गया। **चुनौतीपूर्ण, अनौल्टड को याद आया सिलक्यारा:** 2023 में भारत में सुरुंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरुंग विशेषज्ञ अनौल्टड डिक्स चिलिमे जलविद्युत परियोजना की सुरुंग में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

उन्होंने कहा, नेपाल का अभियान सिलक्यारा से अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यहां एक साथ कई स्थानों पर बचाव कार्य चल रहा है।

भारत के सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस का खतरा: महाराजगंज, कुशीनगर समेत कई सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात के कारणमादा क्यूलेक्स मच्छर के पपपने और अंडों को सुरक्षित रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। नेपाल आपदा ने भारत के पूर्वी सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए जमीन तैयार कर दी है। अगर निवारक उपायों की दिशा में मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो लोगों को दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आपदा से महाराजगंज और कुशीनगर समेत कई इलाकों में महीनों दल-दल बने रहने की संभावना है।

है: गराशा ने कहा कि यूएई के ऊर्जा निर्यात को रोकना नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बंधक नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर ईरान जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों और दूसरे व्यापारिक जहाजों को बारूदी सुरंगों, ड्रोन या मिसाइलों से धमकाता है, तो उसे इसका खामियाजा भुगतना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग का दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ईरान और खाड़ी देशों के संबंध कैसे हैं: यूएई अमेरिका का करीबी सहयोगी है। युद्ध के दौरान ईरान की ओर से उस पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले हो चुके हैं। गराशा ने चेतावनी दी कि ईरान और खाड़ी देशों के बीच भरोसा फिर से बनाने में कई दशक लग सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अपने पड़ोसी देशों को निशाना बनाकर ईरान ने भरोसे की भावना को खत्म कर दिया है।

सऊदी टैंकर के चालक दल का क्या हुआ: ओमान ने बताया कि उसने सऊदी अरब के एक टैंकर के 16 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाला है। इस टैंकर पर पिछले हफ्ते होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला हुआ था।

चौका-बर्तन से खेत तक का सफ़र, जैविक सब्जी उत्पादन ने बदली उर्मिला की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली विकासखंड की ग्राम पंचायत पांड की उर्मिला सिंह के लिए खेती केवल परिवार की जरूरतें पूरी करने का माध्यम थी घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित उनका जीवन तब नई दिशा की ओर बढ़ा, जब वह ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। कृषि के प्रति उनकी रुचि ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और आज वह जैविक सब्जी उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं उर्मिला को एककीकृत कृषि संकुल क्रमांक-2, पांड से जोड़ा गया। कृषि सखी के माध्यम से उन्हें आधुनिक एवं नवीन तकनीकी खेती, जैविक खाद तथा जैविक कीटनाशकों के उपयोग का प्रशिक्षण मिला। प्रशिक्षण में शामिल अन्य महिलाओं के साथ उर्मिला ने भी खेती की तकनीक सीखी, लेकिन कृषि के प्रति उनके विशेष लगाव और कुछ नया करने की इच्छा ने उन्हें इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया 30 हजार रुपये के ऋण से शुरू किया सब्जी उत्पादन उर्मिला ने अपने एक

एकड़ खेत में व्यावसायिक सब्जी उत्पादन शुरू किया। इसके लिए उन्होंने स्व-सहायता समूह के माध्यम से 30 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज खरीदे। उन्होंने जैविक संसाधन केंद्र से केंचुआ खाद तथा जैविक कीटनाशक के रूप में अधीनस्थ एवं ब्रह्मास्त्र प्राप्त कर उनका उपयोग अपनी फ़सल में किया मौसम के अनुसार अलग-अलग सब्जियों की खेती करते हुए उर्मिला ने उत्पादन और बि क्रो का सिलसिला लगातार जारी रखा। स्थानीय हाट बाजार एवं साप्ताहिक बाजार में अपनी उपज का सीधे वि क्रय कर उन्होंने बेहतर आमदनी प्राप्त की उर्मिला की मेहनत का परिणाम भी सामने आया पिछले सीजन में उन्होंने लगभग 75 हजार रुपये की सब्जियों का वि क्रय किया। निरंतर मौसमी सब्जियों का उत्पादन और स्थानीय बाजार में बि क्रो से उनकी आय में वृद्धि होती गई खेती से होने वाली आय ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया और आज वह लखपति दीदी के रूप में अपनी नई पहचान बना चुकी हैं उर्मिला बताती हैं कि वह अपने खेत में उत्पादित सब्जियों में यूरिया का उपयोग नहीं करती।

कल्पना मिश्रा को न्याय दिलाने के आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा का समर्थन सिरमौर चौराहे पर एक सप्ताह से जारी आंदोलन में पहुंचे किसान मोर्चा के नेता, दोषियों पर आपराधिक मामला दर्ज करने और डिप्टी सीएम के इस्तीफे की मांग



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही के चलते कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर सिरमौर चौराहा रीवा में जारी आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा ने समर्थन दिया है आंदोलन के सातवें दिन मोर्चे के नेता आंदोलन स्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही नेताओं ने मामले में जिम्मेदार

लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कहा कि कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में यदि किसी स्तर पर लापरवाही या जिम्मेदारी सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहना चाहिए मोर्चे ने स्वास्थ्य

विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफे की मांग भी की आंदोलन स्थल पर पहुंचे नेताओं ने कहा कि परिवार लंबे समय से न्याय की मांग कर रहा है और मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए उनका कहना था कि केवल आशवासन से आंदोलन समाप्त नहीं होना चाहिए बल्कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए आंदोलन को समर्थन देने वालों में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता शिव सिंह, रामजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह शंखु, संतकुमार पटेल, रामनरेश सिंह, संजय निगम, शिवराम सिंह, सतना लोकनाथ पटेल, पूर्व सरपंच सीताराम पटेल, जिला सचिव अनिल मिश्र, वीरेंद्र सिंह, अवध शरण, योगेंद्र सिंह, दौलत सिंह, अमित पटेल, टिकू, रामभवन कोल सहित अन्य लोग शामिल रहे मोर्चा नेताओं ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखा जाएगा और आंदोलन को लगातार समर्थन दिया जाता रहेगा।

नो-एंट्री तोड़कर शहर में घुसा ट्रक, कोर्ट ने लगाया 21,500 रुपए जुर्माना पुलिस के रोकने पर भी नहीं रुका चालक, कॉलेज मोड़ और चौराहे पर बचकर निकला; डीजल खत्म होने पर पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। शहर में भारी वाहनों के लिए लागू नो-एंट्री नियम तोड़कर प्रवेश करने वाले एक चालक पर पुलिस ने कार्रवाई की है यातायात पुलिस के अनुसार चालक ने पुलिसकर्मियों के रोकने के बावजूद ट्रक नहीं रोका और वाहन को शहर के अंदर ले गया कई स्थानों पर रोकने के प्रयास के बाद ट्रक का डीजल खत्म हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। मामला कोर्ट में पेश किया गया, जहां मंगलवार को चालक पर 21,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया सुबह 6 से रात 11 बजे तक नो-एंट्री यातायात पुलिस के मुताबिक शहर में भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था बनाए



रखने के लिए सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक नो-एंट्री लागू है। इसके बावजूद सोमवार शाम एक ट्रक प्रतिबंधित समय में शहर में प्रवेश कर गया पुलिसकर्मियों ने ट्रक को रोककर चालक से पूछताछ करने का प्रयास किया पुलिस के अनुसार इस दौरान चालक ने जानाओं से बदवमीजी की और ट्रक आगे बढ़ा दिया कॉलेज

मोड़ और चौराहे पर भी नहीं रुका पुलिस ने ट्रक को रोकने के लिए कॉलेज मोड़ और यातायात चौराहे पर भी प्रयास किया, लेकिन चालक ने दोनों स्थानों पर वाहन नहीं रोका पुलिस टीम ने पीछा जारी रखा। कुछ दूरी आगे जाने के बाद ट्रक का डीजल खत्म हो गया इसके बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को कार्रवाई के लिए लिया कोर्ट में

पेश हुआ मामला यातायात पुलिस ने चालक के खिलाफ प्रकरण तैयार कर ट्रक को कोर्ट में पेश किया। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने चालक पर 21,500 रुपए का जुर्माना लगाया यातायात थाना प्रभारी सुबेदार आशीष तिवारी ने बताया कि ट्रक चालक ने नो-एंट्री नियम का उल्लंघन किया था और पुलिस के रोकने के बाद भी वाहन नहीं रोका वाहन जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रकरण कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था पुलिस ने बताया कि चालकों से नो-एंट्री के निर्धारित समय और तय रूट का पालन करने की अपील की है अधिकारियों के अनुसार नियमों का उद्देश्य शहर में जाम और यातायात संबंधी परेशानियों को कम करना है।

जैविक संसाधन केंद्र से किसानों को मिला सहज समाधान, आत्मनिर्भर बन रहा एकीकृत कृषि संकुल खाद एवं कीटनाशकों की स्थानीय उपलब्धता से 250 किसान लाभान्वित



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी अंतर्गत विकासखंड मझौली के एकीकृत कृषि संकुल क्रमांक-01 हूही में स्थापित संकुल स्तरीय संगठन गुलाब सागर के अंतर्गत आईएफएससी जैविक संसाधन केंद्र

की स्थापना वर्ष 2025 में की गई। केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को स्थानीय स्तर पर जैविक कृषि के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के साथ उन्हें जैविक खेती की तकनीकों से प्रशिक्षित करना है जैविक संसाधन केंद्र में अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र सहित विभिन्न

जैविक कीटनाशक, केंचुआ खाद (वर्मी कम्पोस्ट) तथा जैविक संसाधनों से संबंधित अन्य उत्पाद तैयार कर वि क्रय किए जाते हैं। केंद्र के माध्यम से अब तक आसपास के लगभग 250 किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है इनमें से 90 किसानों ने केंद्र पर जैविक खेती से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया है प्रशिक्षित किसानों द्वारा अपनी लगभग आधा-आधा एकड़ भूमि में जैविक खेती को अपनाया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में किसान फसलों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने के साथ कीट नियंत्रण के लिए अग्निस्त्र एवं ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक कीटनाशकों का उपयोग कर रहे हैं अब किसानों को घर पर जैविक कीटनाशक बनाने की बाध्यता नहीं जैविक संसाधन केंद्र की स्थापना से

किसानों की एक बड़ी समस्या का समाधान हुआ है पहले किसानों को जैविक कीटनाशक स्वयं तैयार करने पड़ते थे, जिसके लिए समय और संसाधन की आवश्यकता होती थी। अब केंद्र पर जैविक कीटनाशक एवं खाद उपलब्ध होने से किसान इन्हें आसानी से स्थानीय स्तर पर खरीदकर उपयोग कर पा रहे हैं केंद्र किसानों के लिए केवल बि क्री केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि सेवा प्रदाता के रूप में भी कार्य कर रहा है केंद्र का संचालन प्रेमवती सिंह के सहयोग से किया जा रहा है किसानों को खेती एवं पशुपालन से जुड़ी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जैविक संसाधन केंद्र पर नियमित गतिविधियां आयोजित की जाती हैं प्रत्येक माह के तीसरे एवं चौथे बुधवार को कृषि विस्तार

अधिकारी द्वारा किसानों को कृषि संबंधी जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाता है। वहीं दूसरे एवं चौथे मंगलवार को पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पशुओं के टीकाकरण सहित पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हैं जैविक संसाधन केंद्र की गतिविधियों से किसानों को लाभ मिलने के साथ केंद्र भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है वित्तीय वर्ष में अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र सहित अन्य जैविक कीटनाशक एवं वर्मी कम्पोस्ट की बि क्री से लाभभग 64 हजार रुपये का व्यवसाय किया गया है इससे जैविक संसाधन केंद्र एक आत्मनिर्भर एवं सेवा आधारित संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आईएफएससी के अंतर्गत

प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग गांवों में महिला किसानों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं इन बैठकों में किसानों को जैविक खेती, जैविक कीटनाशकों के उपयोग और जैविक उत्पादन बढ़ाने के संबंध में प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जाता है वर्तमान में आईएफएससी से जुड़े लगभग 50 किसान सब्जी उत्पादन का कार्य कर रहे हैं और इनके द्वारा सब्जियों में जैविक कीटनाशकों का उपयोग किया जा रहा है इससे सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण सब्जी उत्पादन को बढ़ावा मिल रहा है इस पूरी पहल को धरातल पर प्रभावी रूप से संचालित करने में एकर, वरिष्ठ सीआरपी एवं सीआरपी की महत्वपूर्ण भूमिका है इनके द्वारा किसानों को लगातार तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं जैविक

संसाधनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा एकीकृत कृषि संकुल की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह एवं जिला प्रबंधक कृषि विजय शंकर गिरि गोस्वामी का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है वि क्री संसाधन केंद्र ने किसानों के लिए जैविक खेती को आसान और सुलभ बनाया है। स्थानीय स्तर पर जैविक खाद एवं कीटनाशकों की उपलब्धता, नियमित प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन से किसान धीरे-धीरे रासायनिक खेती से जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं आईएफएससी की यह पहल किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ एकीकृत कृषि संकुल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

रेलवे भू-अर्जन की कलेक्टर ने की समीक्षा, 157 भूमि स्वामियों का भुगतान बैंक जानकारी के अभाव में अटका

चुरहट में बैठक लेकर कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश, भूमि स्वामियों से जल्द बैंक खाते की सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रेलवे परियोजना के लिए चुरहट क्षेत्र में किए जा रहे भू-अर्जन कार्य और भूमि स्वामियों को अवाई राशि के भुगतान की प्रगति की कलेक्टर विकास मिश्रा ने समीक्षा की। चुरहट में आयोजित बैठक में उपखंड अधिकारी चुरहट अजय शर्मा सहित रेलवे और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में भू-अर्जन से संबंधित लंबित प्रकरणों और भुगतान की स्थिति की जानकारी ली गई समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कुल 157 भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें अवाई राशि का भुगतान नहीं किया जा सका है। इनमें झांझ के 32, रायखोर के 10 तथा आमडौंड-43 के 53

भूमि स्वामी शामिल हैं। संबंधित भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी अभी तक अप्राप्त होने के कारण भुगतान की प्रक्रिया लंबित है कलेक्टर विकास मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी भूमि स्वामियों से तत्काल संपर्क कर उनके बैंक खातों की आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भूमि स्वामियों को बैंक खाते से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि वे शीघ्र अपना बैंक विवरण प्रस्तुत कर सकें कलेक्टर ने भूमि स्वामियों से भी अपील की है कि वे अपने बैंक खाते की सही और आवश्यक जानकारी संबंधित अधिकारियों को जल्द उपलब्ध कराएं। इससे रेलवे परियोजना के लिए अर्जित भूमि के एवज में मिलने वाली अवाई राशि का

भुगतान बिना किसी अतिरिक्त विलंब के किया जा सकेगा बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि टीकटकला, नकबेल, बड़खरा 739 और बड़खरा 735 के शेष 62 भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी प्राप्त हो चुकी है कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों में भुगतान से जुड़ी सभी औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएं और पात्र भूमि स्वामियों को अवाई राशि का

भुगतान शीघ्र सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने कहा कि रेलवे भू-अर्जन से संबंधित सभी प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए भुगतान में आने वाली प्रत्येक बाधा का त्वरित निराकरण करते हुए लंबित मामलों को जल्द निपटाया जाए। उन्होंने रेलवे और राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा भूमि स्वामियों को भुगतान प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग देने के निर्देश भी दिए।



जनसुनवाई में 275 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं, एक ही स्थान पर मिलीं कई सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर 275 आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई जाए उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन का निराकरण संभव नहीं है अथवा आवेदन निरस्त किया जाता है, तो उसके स्पष्ट कारण आवेदक को बताए जाएं। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहेगी और आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत होगा जनसुनवाई के दौरान नागरिकों को विभिन्न आवश्यक सेवाएं भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा प्रदान की गई इसके साथ ही आधार अपडेट



की सुविधा भी उपलब्ध रही इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उन्हें एक ही परिसर में विभिन्न सेवाओं का लाभ मिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद आईएसएस ने भी जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों में की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर स्वर्णा दीवान अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधूरे काम और मकान गिरने की शिकायत, जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण पोस्ता में निर्माण कार्यों की जांच की मांग, अमरवाह की महिला बोली- मकान गिरे दो महीने हुए, अब तक नहीं मिली राहत



है उमेश के मुताबिक, वह करीब डेढ़ साल से इन मामलों को लेकर अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं उन्होंने बताया कि पूर्व में कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा 200 रुपए के स्टॉप पर प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया था इसके बाद उन्होंने स्टॉप खरीदकर आवश्यक प्रक्रियाएं किए गांव में कई निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरे हैं कुछ काम शुरू होने के बाद बंद पड़े हैं जबकि कुछ कार्य केवल रिकॉर्ड में दर्ज होने का आरोप

ने संबंधित मामले में कार्रवाई के निदेश दिए हैं दूसरा मामला ग्राम अमरवाह की रामकली भुजवा का है रामकली के अनुसार, करीब दो महीने पहले उनका मकान गिर गया था इसके बाद उन्होंने रहत और सहायता के लिए कई बार आवेदन दिए, लेकिन अब तक कोई मदद नहीं मिली रामकली का आरोप है कि उन्होंने कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों तक अपनी समस्या पहुंचाई लेकिन मौके पर स्थिति देखने के लिए कोई नहीं आया मंगलवार को वह दोबारा अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर के पास पहुंचीं उनके अनुसार, उन्हें अपर कलेक्टर से मिलने के लिए कहा गया ग्रामीणों ने प्रशासन से दोनों मामलों में जांच कर जल्द समाधान करने की मांग की है।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन में मंगलवार सुबह तेज बारिश के दौरान एक कच्चा मकान अचानक ढह गया हदसे में मकान के अंदर रखा जूहस्थी का अधिकांश सामान मलबे में दब गया हालांकि मकान में रहने वाले पति-पत्नी दीवार में दरार दिखाई देने के बाद समय रहते घर से बाहर निकल आए जिससे दोनों सुरक्षित बच गए जानकारी के अनुसार वाई क्रमांक-4 निवासी मुनालाल साकेत अपनी पत्नी के साथ कच्चे मकान में रहते हैं मंगलवार सुबह करीब 8 बजे तेज बारिश हो रही थी मुनालाल घर के बाहर काम कर रहे थे जबकि उनकी पत्नी भी पास में घास खड़ाई रही थी इसी दौरान बारिश का पानी मकान के अंदर भरने लगा मुनालाल साकेत के अनुसार बारिश के बीच अचानक मकान की एक दीवार में दरार दिखाई दी स्थिति को देखते हुए दोनों पति-पत्नी तुरंत घर से बाहर निकल आए उनके बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद दीवार तेज आवाज के साथ गिर गई और मकान का काफी हिस्सा ढह गया मकान गिरने से घर में रखा पंखा, कुलर, अलमारी, बिस्तर, गैहू-चावल की बोरीयां सहित अन्य घरेलू सामानमलबे में दब गया। सामान खराब होने से परिवार के सामने रहने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की पेशानी खड़ी हो गई है हदसे की सूचना मिलने के बाद नगर पंचायत रामपुर नैकिन के अधिकारी-कर्मचारियों को जानकारी दी गई नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली उन्होंने परिवार को हर्संभव मदद का भरोसा दिलाया अध्यक्ष ने बताया कि मकान और नुकसान का प्रशासन की ओर से सर्वे करवाया जाएगा सर्वे रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार सहायता और मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध करने की मांग की है।

जंगली हाथी का कहर : ग्रामीण की मौत, कई घर ढहाए मलबे में दबे जानवर

मीडिया ऑडिटर, हैह्र (निप्र)। जिले के रामनगर विकासखंड अंतर्गत पैसा पंचायत केसिंगपुर माहौल गांव में जंगली हाथी के उत्पत्त से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है ग्रामीणों के अनुसार हाथी के हमले में कईटी यादव की मौत हो गई इसके अलावा हाथी ने गांव में कई सघों को क्षतिग्रस्त कर दिया मकनों के मलबे में बकरी और अन्य जानवरों के दबे होने की भी सूचना है घटना के बाद ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है ग्रामीणों का आरोप है कि जंगली हाथी के गांव में पहुंचने की सूचना दिए जाने के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर कई घंटेबाद पहुंची। इस दौरान हाथी गांव में उत्पत्त मचाता रहा तीन से चार घंटे बाद पहुंची टीम पैसा पंचायत के सरपंच वीपेन्द्र प्रसाद सिंह के अनुसार, वन विभाग को सूचना देने के बाद भी करीब तीन से चार घंटे तक टीम मौके पर नहीं पहुंची इसी दौरान हाथी ने कईटी यादव पर हमला कर दिया जिससे उनकी मौत हो गई संपर्क का कहना है कि हाथी ने कई मकनों की भी गिरा दिया जिनके मलबे में जानवरों के दबे होने की सूचना है ग्रामीणों का आरोप है कि इतनी गंभीर घटना के बाद भी वन परिक्षेत्र अमरपाटन के रेंजर तत्काल मौके पर नहीं पहुंचे 8 सितंबर की सुबह करीब 9:45 बजे तक रेंजर के घटनास्थल पर नहीं पहुंचने की बात ग्रामीणों ने कही है ग्रामीणों में भय का माहौल जंगली हाथी को मौजूदगी के बाद गांव में भय का माहौल बना हुआ है ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी को सुरक्षित तरीके से गांव से दूर करने और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि हाथी की आमद की सूचना मिलने के बाद समय रहते सूचना और बचाव के इंजााम क्यों नहीं किए गए। वन विभाग की ओर से घटना और ग्रामीणों के आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

मौत की इमारतों की राजधानी

दिल्ली देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है। यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक ‘अवैध’, संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां भस्म होकर राख बन गई। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छत्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन

लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त ‘शून्य’ थे। और अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रविवार रात तक 5 मौतों की पुष्टि की जा चुकी थी। तीन छत्र अस्पताल में जिंदगी-मौत के

बीच संघर्ष कर रहे हैं। मौतों की संख्या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि 25-30 छात्रों के मलबे

में दबे होने की आशंका

जताई गई है। इन

तमाम इमारतों में एक

तथ्य साझा है कि सभी

‘अवैध’ थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से

अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो

सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं

किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी

36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने

सील लगा दी थी, लेकिन

फिर न जाने कैसे, वह

सील भी खुल गई

और यह हत्याकांड हो गया।

इस इमारत की तीन मंजिलें ‘अवैध’ थीं, क्योंकि

उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही

अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी

चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। दिल्ली

नगर निगम के एक पूर्व चेयरमैन और फायर

ब्रिगेड के पूर्व निदेशक ने चौंका देने वाला

खुलासा किया है कि दिल्ली में करीब 75 लाख

इमारतें हैं। उनमें से करीब 1.75 लाख इमारतों के

नक्शे पास हैं। शेष सभी इमारतें अवैध और

अतिक्रमण की हैं। देश की राजधानी में 1731

अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को

अधिकृत, नियमित करने के महेनजूर पीएम-उद्यय

योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट

बैंक की तैयारी...लेकिन यह कितना भयावह

यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में

कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना

कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार

मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत

कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया

और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये

इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी

की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई

एक चेहरा या पार्टी ‘खलनायक’ नहीं है।

इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं।

सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

डॉ. सत्यजन लौरभ

अंतरराष्ट्रीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है - एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से। अंतरराष्ट्रीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है। विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष खिल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं। प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले प्रचलित निष्पक्षता की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है। संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है। पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है। अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए। सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट (१६६) और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट (५१६) जल आवंटन प्राप्त हुआ है। लेकिन इस समझौते का प्रभाव केवल इन आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम भी हैं। इसका वास्तविक महत्व यह संदेश देना है कि राज्य अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ अन्य राज्यों की आवश्यकताओं को भी समझने में सक्षम हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही?में एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोँदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरुआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीम में तैनात की हैं।शुरुआती चिकित्सकीय आकलन में मेशनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमॉर्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा। साथियों,इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है।प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालाँकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा। साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूआर कोड लगा



गतिविधि नहीं रह जाती,यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है। साथियों,बात अगर हम इस सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जन्त किया था।याने जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है, इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिज्नी जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं। साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी

सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा है।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से

सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है। साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तर-राजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस

करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है, दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके? साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तर-मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है। भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

योगेश कुमार गोयल

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को ‘अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस’ मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है। दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विडम्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना

बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी



जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है ‘2026 में, धरती और समुद्र के लिए साक्षरता’। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः ‘डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना’ और ‘बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना: आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता’ थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्त पर ध्यान देने

के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय ‘साक्षरता सतत विकास’ रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु ‘साक्षरता और स्वास्थ्य’ थी, जिसके जरिये टीबी, कलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने

बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी ‘साक्षरता और सशक्तिकरण’। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए ‘साक्षरता और शांति’, 2014 में ‘21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता’, 2015 में ‘साक्षरता और सतत विकास’, 2016 में ‘अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना’, 2017 में ‘डिजिटल दुनिया में साक्षरता’, 2018 में ‘साक्षरता और कौशल विकास’ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में ‘साक्षरता और बहुभाषावाद’, वर्ष 2020 में ‘कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण’, 2021 में ‘मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरता: डिजिटल विभाजन को कम करना’ (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरी: नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में ‘ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस’ (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में ‘संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना: टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण’ (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशन: बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है।

साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठ बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इन्में शामिल है।

समय-सीमा की बैठक हुई संपन्न: कलेक्टर का कड़ा निर्देश एसडीएम, आबकारी और खाद्य अधिकारियों को सघन निरीक्षण

छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्था को लेकर कलेक्टर सख्त नियमित निरीक्षण कर कमियां तत्काल दूर करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कर्मा्ी, लॉबित प्रकरणों, जनशिक्षकों तथा शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को लॉबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने जनशिक्षकों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हिस्साह्वी तक पहुंचाने के कड़े निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्टर ने सुशासन तिहार, सीएम हेल्पलाइन 1076, सीएम जनदर्शन पीएम पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन पारस पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित लॉबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की उन्होंने पारस पोर्टल पर लॉबित प्रकरणों एवं विभागीय कर्मा्ी की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी समय-सीमा में अपडेट करने और



लॉबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षागत का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदक को वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए कलेक्टर ने अधिकारियों को लगातार फ़ील्ड में रहकर शासकीय योजनाओं और विकास कर्मा्ी की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से एसडीएम, आबकारी एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण और सघन निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व मामलों, राशन व्यवस्था और आबकारी से जुड़े विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की

जाएगी बैठक में शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन कर्मा्ी को व्यापक समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि सीजीएमएससी के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ में 50 बिस्तरिय क्रिटिकल केयर हेल्थ क्लॉक का निर्माण कार्य प्राति पर है, जहां ग़रुट खुदाई का कार्य चल रहा है वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भवन के प्रथम तल स्लैब के लिंलक का कार्य भी प्राति पर है चिरमिरी, जनकपुर एवं मनेन्द्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नवीन ट्रीजिट हॉस्टल निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। चिरमिरी एवं जनकपुर में फ़रउंख़ेन



तथा समतलीकरण और मनेन्द्रगढ़ में ग़राउंड प्लोर स्लैब लेवल का कार्य प्राति पर है वहीं जनकपुर के 50 बिस्तरिय अस्पताल के उन्नयन का कार्य भी प्राति पर है शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में म्यूजियम, फ़िजियोथेरेपी एवं कम्प्युनिटी मेडिसिन विभाग के लेक्चर हॉल का निर्माण फ़िर्निशिंग स्तर पर है जिला चिकित्सालय चिरमिरी में 36 नग क्वार्टर एवं आवासीय परिसर के निर्माण में एक टाइप क्वार्टर का स्लैब हमर लैब के निर्माण कार्य पुनः निविदा हेतु प्रस्तावित हैं तीन मॉड्यूलर ओटी का 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है मनेन्द्रगढ़ में 200 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय के निर्माण में ग़रुट खुदाई पूर्ण हो चुकी है

तथा बेस एवं ग़रुट का कार्य प्राति पर है। 220 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय में बाउंड्रीवाल, मेडिकल कॉलेज, अकादमिक ब्लॉक, स्टूडेंट इंडोर स्पोर्ट्स, यूजी बॉयज़ हॉस्टल और यूजी गर्ल्स हॉस्टल का कार्य प्राति पर है वहीं इंटीर्न मेल हॉस्टल, इंटीर्न फ़ेमेल हॉस्टल, कॉमन डाइनिंग, गेस्ट हाउस और शॉपिंग आर्केड का कार्य प्राति पर है इसके अलावा डायरेक्टर रजिडेंस, सुपरिंटेंडेंट रजिडेंस, रजिडेंट टाइप-सी, टाइप-डी, टाइप-ई, स्पोर्ट्स फ़ैसिलिटी का कार्य पूर्ण हो चुका है कलेक्टर ने निर्माणाधीन सभी कर्मा्ी की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए बच्चाों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को भोजन, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से मिलनी चाहिए।

तथा बेस एवं ग़रुट का कार्य प्राति पर है। 220 बिस्तरिय जिला चिकित्सालय में बाउंड्रीवाल, मेडिकल कॉलेज, अकादमिक ब्लॉक, स्टूडेंट इंडोर स्पोर्ट्स, यूजी बॉयज़ हॉस्टल और यूजी गर्ल्स हॉस्टल का कार्य प्राति पर है वहीं इंटीर्न मेल हॉस्टल, इंटीर्न फ़ेमेल हॉस्टल, कॉमन डाइनिंग, गेस्ट हाउस और शॉपिंग आर्केड का कार्य प्राति पर है इसके अलावा डायरेक्टर रजिडेंस, सुपरिंटेंडेंट रजिडेंस, रजिडेंट टाइप-सी, टाइप-डी, टाइप-ई, स्पोर्ट्स फ़ैसिलिटी का कार्य पूर्ण हो चुका है कलेक्टर ने निर्माणाधीन सभी कर्मा्ी की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए बच्चाों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को भोजन, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से मिलनी चाहिए।

फर्जी सिम के खिलाफ ऑपरेशन फास्ट 2.0 में कार्रवाई, तीन पर FIR

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। साइबर अपराधों में इस्तेमाल हो रही संधिध और फर्जी सिम के खिलाफ शिवपुरी पुलिस ने ऑपरेशन फास्ट 2.0 के तहत कार्रवाई की है। राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान भौती और मायापुर थाना पुलिस ने जांच के बाद तीन लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं पुलिस अब इन सिम कार्ड के इस्तेमाल और साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही है भौती थाना पुलिस को साइबर पोर्टल के माध्यम से ठगी की शिकायत मिली थी। राजस्थान के डीडवना-कुचामन सिटी निवासी किसानलाल ने शिकायत में बताया कि उन्हें दो मोबाइल नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वालों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और एकआईआर दर्ज होने का डर दिखाकर उनसे 12,520 रुपए फोनो पेमेंट्स बैंक के खाते में ट्रांसफर करा लिए पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। जांच में ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबरों के सिम ग्राम महोबा डामरनी निवासी राहुल जाटव और बाप्रताप जाटव के नाम पर पाए गए भौती पुलिस ने दोनों के



खिलाफ धारा 318(4), 319(2) बीएनएस और 66(8) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है मायापुर थाना पुलिस ने भी अभियान के तहत एयरटेल स्टोर मायापुर के एजेंट पवन कुमार लोधी के खिलाफ मामला दर्ज किया पुलिस के अनुसार एक एक्सेल शीट की जांच में उनके बहुर कोड से जारी सिम साइबर फ्रॉड से जुड़ी मिली जांच में सिम रेखा पत्नी हल्के आदिवासी के नाम पर दर्ज थी पृच्छाछ में रेखा ने सिम खरीदने से इनकार किया पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया एजेंट ने ग्राहक के दस्तावेज लेकर उसके नाम पर सिम एक्टिवेट की और उसे किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया। बाद में इस सिम से 13,040 रुपए की धोखाधड़ी सिम साइबर मायापुर पुलिस ने पवन कुमार लोधी के खिलाफ बीएनएस, आईटी एक्ट और दूरसंचार अधिनियम की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनेन्द्रगढ़ में लगातार चोरी से परेशान महिलाएं लाठी लेकर कर रहीं पहरेदारी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है चोरी की घटनाओं से परेशान रेलवे कॉलोनी की महिलाओं ने अब रात में लाठी-डंडे लेकर पहरेदारी शुरू कर दी है। कॉलोनीवासियों ने पुलिस को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए चोरी के मामलों का जल्द खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर एसपी कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी गई है स्थानीय लोगों के अनुसार रेलवे कॉलोनी में 15 दिनों के भीतर 5 चोरी जबकि चैनपुर क्षेत्र में 10 दिनों में 6 चोरी की घटनाएं होने का दावा किया जा रहा है मौहारापारा में भी लगातार चोरी की घटनाओं की बात सामने आई हैइससे लोगों में घरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है महिलाओं का आरोप है कि चोरी की सूचना देने के



बावजूद कई बार पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंचती वहीं मौहारापारा वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद इमरान खान ने भी CCTV फुटेज और अन्य साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है सिटी कोतवाली प्रभारी बिक्रम पाटेल ने बताया कि पिछले दो महीनों में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है उन्होंने कहा कि पुलिस बारिश खराब होने और लगातार वाहन चोरों के कारण पेट्रोलिंग प्रभावित हुई थी। अब पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध है और शहर में गस्त बढ़ दी गई है चोरी के मामलों की जांच और निगरानी जारी है।

दुकान का बकाया किराया नहीं किया जमा, न्यायालय ने पक्षकार को किया तलब

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। दुकान का बक़या किराया जमा नहीं किए जाने से जुड़े एक राजस्व प्रकरण में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मनेन्द्रगढ़ ने संबंधित पक्षकार को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 सितंबर 2026 की तारीख निर्धारित की गई है न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि पर पक्षकार के उपस्थित नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जा सकती हैप्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व प्रकरण क्रमांक 202510330400014/अ-89/21/2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन बनाम सोहनदास, ग्राम मनेन्द्रगढ़ का प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है। बताया गया है कि संबंधित व्यक्ति को जीवन दीप्त समिति द्वारा संचालित दुकान क्रमांक-02 आवंटित की गई है दुकान के निर्धारित किराये का भुगतान लॉबित

रहने के कारण बक़या राशि से संबंधित मामला राजस्व न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है प्रकरण की सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षकार को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। इसके लिए न्यायालय ने आगामी सुनवाई की तारीख तय करते हुए निर्धारित समय पर उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं न्यायालय के निर्देश के अनुसार संबंधित पक्षकार को 18 सितंबर 2026 को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मनेन्द्रगढ़ के समक्ष उपस्थित होकर प्रकरण के संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत करना होगा पक्षकार द्वारा निर्धारित तिथि पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर न्यायालय उपलब्ध अभिलेखों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर सकता है राजस्व न्यायालय की ओर से यह कार्रवाई दुकान के बक़या किराये से जुड़े प्रकरण में नियमानुसार की जा रही है अब मामले में अगली सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षकार का पक्ष सामने आने के बाद प्रकरण में आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

जनदर्शन में उमड़ी फरियादों की कतार, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने गंभीरता से सुनी समस्याएं समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया जनदर्शन में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनदर्शन में नागरिकों ने भूमि मुआवजा, रहत राशि, भूमि संबंधी विवाद, पुसैनी भूमि में हिस्सेदारी, आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र, दिव्यांगजनों के सहायक उपकरण, आंगनबाड़ी भवन की मरम्मत, डीएमएफ राशि एवं अनुकंपा नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए इस



दौरान परसगढ़ी निवासी बिहारी लाल ने वन अधिकार पट्टा में नाम सुधार कराने के संबंध में आवेदन दिया। वहीं चित्ताझोर निवासी अब्दुल रसीद खान ने मुआवजा राशि के लिए पूर्व में दिए गए आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने की शिकायत करते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की करी निवासी दिलक़स ने भूमि संबंधी विवाद तथा पुसैनी भूमि के बंटवारे में अपना हिस्सा नहीं दिए जाने की शिकायत प्रस्तुत की भीता निवासी धनप्रेर सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में पात्र हितग्राहियों

को अपात्र किए जाने के संबंध में शिकायत करते हुए मामले की जांच की मांग की जनकपुर निवासी पावती ने धोखाधड़ी कर पैसे लिए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की वहीं उदनापुर निवासी मुनीर ने स्वीकृत आवास योजना की राशि का भुगतान नहीं होने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी पेड़ड़ी निवासी सोमार्क ने भूमि संबंधी प्रकरण को लेकर आवेदन दिया इसके अलावा भीता के समस्त ग्राम वासियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में कथित अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की जांच

कराने के संबंध में सामूहिक आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की तथ्यात्मक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने तथा शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला कलेक्टर ने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया को समयबद्ध रखने के निर्देश दिए।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस के सामने से निकली ओवरलोड पिकअप, बिना सीट बेल्ट कार भी भागी 11 मजदूरों से भरी पिकअप पर कार्रवाई, कुछ देर बाद दूसरी ओवरलोड गाड़ी पुलिस के सामने से निकली चेकिंग अभियान की प्रभावशीलता पर उठे सवाल

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। शहर में मंगलवार सुबह ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों की अन्तरेखी के कई मामले सामने आए मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शहर के चार प्रमुख स्थानों पर सुबह 8 से 11 बजे तक वाहनों की जांच की गई इस दौरान चक्कर रोड पर कुछ ऐसे दृश्य सामने आए जिनसे चेकिंग अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट स्कूटी चला रही एक महिला को पुलिस ने रोका महिला की गोद में बच्ची थी महिला ने पुलिसकर्मीयों से कार्रवाई से बचने की गुहार लगाते हुए बताया कि वह अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने



आई थी और उसके पास रुपए नहीं हैं इसी दौरान एक ड्राइविंग स्कूल की कार भी चेकिंग स्थल से गुज़ती दिखाई दी कार पर मां नर्मदा कार ड्राइव लिखा था। कार चला रहा युवक सीट बेल्ट लगाए बिना वाहन चला रहा था मजिस्ट्रेट और पुलिसकर्मीयों की मौजूदगी में ड्राइविंग स्कूल के वाहन में यातायात

नियमों का उल्लंघन सामने आने से कार्रवाई को लेकर सवाल उठे चेकिंग के दौरान पुलिस ने मजदूरों से भरी एक बोलेरो पिकअप को रोका वाहन में चालक समेत 11 लोग सवार थे पुलिस ने सभी मजदूरों को वाहन से नीचे उतारा और ओवरलोडिंग के मामले में जुर्माना लगाया हालाँकि इसके करीब दो

मिनट बाद ही एक दूसरी ओवरलोड पिकअप पुलिस जवानों के पास से निकल गई वाहन में सवार कुछ मजदूर पीछे की ओर लटके हुए नजर आए, लेकिन उसे रोकने की कार्रवाई नहीं हुई बिना सीट बेल्ट कार चला रहे एक चालक को पुलिसकर्मी ने रोककर वाहन साइड में लगाने को कहा इसी दौरान पुलिसकर्मी दूसरे वाहन की जांच में व्यस्त हो गया आरोप है कि चालक ने कार साइड में लगाने का दिखावा किया और फिर दूसरी सड़क की ओर वाहन लेकर निकल गया ट्रैफिक पुलिस ने चक्कर रोड चौराहा, इटारसी रोड स्थित नंदा ढाबा, भोपाल चौराहा सहित चार स्थानों पर अभियान चलाया।

हर घर नल से बदली धनौली की तस्वीर, जल जीवन मिशन बना खुशहाल जीवन की नई पहचान जिले के दूरस्थ ग्राम धनौली में ‘हर घर जल’ योजना ने पहुंचाई स्वच्छ पेयजल की सुविधा, ग्रामीणों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखण्ड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बैरौता का आश्रित ग्राम धनौली आज जल जीवन मिशन की सफलता और जनभागीदारी की मिसाल बनकर उभरा है जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में लंबे समय तक ग्रामीणों को पेयजल के लिए कुएँ, हैंडपंप और अन्य दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था गर्मियों के दिनों में जलस्रोत सूखने से ग्रामीणों की पेशानी और बढ़ जाती थी ऐसे समय में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना ने धनौली की तस्वीर बदलने का काम किया है आज गांव के हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है और पानी के लिए होने वाली भागदौड़ काफ़ी हद तक समाप्त हो गई है लगभग 350 की आबादी और 60 परिवारों वाले धनौली गांव में पहले पेयजल की सुविधा सहज उपलब्ध नहीं थी ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए क्यूँ रहेंडप या दूर स्थित



अन्य जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में जलस्रोतों के सूख जाने से स्थिति गंभीर हो जाती थी। पानी की कमी के साथ उसकी गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बनी रहती थी जिसका असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ता था जल जीवन मिशन के तहत इस समस्या को दूर करने के लिए ग्राम में व्यवस्थित जलापूर्ति की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया पाइपलाइन बिछाई गई ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया और प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी शुरू की गई जिससे ग्रामीणों

को सुशुभित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत हुई धनौली में बदलाव केवल निर्माण कर्मा्ी तक सीमित नहीं रहा बल्कि ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इसे स्थायी सफलता में बदलने का काम किया जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत बैरौता की चर्चनित कर पंचायत प्रतिनिधियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाने का कार्य शुरू किया गया ग्रामीणों ने पाइप लाइन बिछाने और जल व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग दिया इसके साथ ही उन्हें जल स्रोतों के संरक्षण स्वच्छ जल के उपयोग और जल बचाने के प्रति जागरूक किया गया गांव में यह समझ विकसित हुई कि नल से पानी मिलना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी उपलब्ध जल स्रोत और पूरी जलापूर्ति व्यवस्था का संरक्षण करना भी है यही सामुदायिक सहभागिता धनौली की सफलता की महत्वपूर्ण वजह बनी।

नशे के दो वीडियो वायरल, एक में स्मैक की खरीद-फरोख्त तो दूसरे में सेवन का दावा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में नशे से जुड़े दो वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर नज़रें टिक गई हैं एक वीडियो में कुछ युवक कथित तौर पर स्मैक की खरीद-फरोख्त करते दिखाई दे रहे हैं जबकि दूसरे वीडियो में एक युवक सड़क किनारे नशीले पदार्थ का सेवन करता नजर आ रहा है वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इनमें दिखाई दे रहे युवकों की पहचान शुरू कर दी है पहला वीडियो लुधनावली क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 का बताया जा रहा है इसमें दो युवक एक अन्य युवक से कथित तौर पर स्मैक की सोदेबाजी करते दिखाई दे रहे हैं वीडियो के आधार पर पुलिस संबंधित युवकों की पहचान करने में जुटी है वहीं दूसरा वीडियो हवाई पट्टी के पास स्थित रेत मंडी का बताया जा रहा है इसमें एक युवक सड़क किनारे बैठा दिखाई दे रहा है वीडियो में युवक



के नशीला पदार्थ लेने का दावा किया जा रहा है वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर खुले में नशा करने पर फटकार भी लगाई देशांतरीय प्रभारी विकास यादव ने बताया कि स्मैक की खरीद-बिक्री से संबंधित वीडियो सामने आया है वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान की जा रही है पहचान और जांच के बाद तथ्यों के आधार पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी शहर में पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी अभियान भी जारी है। ऐसे में सामने आए वीडियो ने अभियान की प्रभावशीलता और नशे के अवैध कारोबार पर निगरानी को लेकर सवाल खड़े किए हैं।



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में विकास की रोशनी पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब धरातल पर दिखाई देने लगा है इसका एक

प्रेरक उदाहरण आदिवासी कन्या आश्रम बड़वाही, विकासखंड भरतपुर में स्थापित सोलर हाई मास्ट संयंत्र है। इस संयंत्र ने न केवल आश्रम के साथ-साथ छात्राओं की सुविधा और सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है जिला मुख्यालय से लगभग 145

किलोमीटर दूर स्थित बड़वाही का आदिवासी कन्या आश्रम दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्र में है ऐसे क्षेत्र में रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होना छात्राओं की सुरक्षा और दैनिक गतिविधियों के लिए बेहद आवश्यक है सोलर हाईमास्ट की स्थापना के बाद आश्रम परिसर में रातभर निर्बाध प्रकाश उपलब्ध हो रहा है इस सोलर हाई मास्ट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रात्रिकालीन बिजली चले जाने के बाद भी आश्रम परिसर में प्रकाश व्यवस्था सुचारू बनी रहती है। सौर ऊर्जा से संचालित यह बतौर एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प को बढ़ावा दे रही है

स्थापित हाई मास्ट आसपास के लगभग 50 मीटर तक के क्षेत्र को प्रकाशमान करता है इससे आश्रम परिसर में अंधेरे की समस्या काफी हद तक दूर हुई है। अब छात्राएं शाम और रात के समय भी आश्रम परिसर में सुरक्षित महसूस करती हैं। परिसर में पर्याप्त रोशनी होने से आवागमन सुगम हुआ है और छात्राओं के मन में सुरक्षा की भावना भी मजबूत हुई है बेटीयों के चेहरे पर आई सुरक्षा की मुस्कान आश्रम की अधीक्षिका एवं छात्राओं ने सोलर हाई मास्ट की स्थापना को उपयोगी और सराहनीय पहल बताया हुए कहा कि पहले रात के समय अंधेरे के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब पूरा परिसर रोशन रहता है

आश्रम परिसर में सुरक्षित रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में जलस्रोतों के सूख जाने से स्थिति गंभीर हो जाती थी। पानी की कमी के साथ उसकी गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बनी रहती थी जिसका असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ता था जल जीवन मिशन के तहत इस समस्या को दूर करने के लिए ग्राम में व्यवस्थित जलापूर्ति की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया पाइपलाइन बिछाई गई ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया और प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी शुरू की गई जिससे ग्रामीणों

आश्रम परिसर में सुरक्षित रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में जलस्रोतों के सूख जाने से स्थिति गंभीर हो जाती थी। पानी की कमी के साथ उसकी गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बनी रहती थी जिसका असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ता था जल जीवन मिशन के तहत इस समस्या को दूर करने के लिए ग्राम में व्यवस्थित जलापूर्ति की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया पाइपलाइन बिछाई गई ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया और प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी शुरू की गई जिससे ग्रामीणों

संक्षिप्त समाचार

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ कार्रवाई, जब्त



मीडिया ऑडीटर,उमरावगंज (निप्र)। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने चलाए जा रहे अभियान के तहत उमरावगंज पुलिस ने कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर ग्राम रसौलिया निवासी राजू सरियाम के कब्जे से करीब 8 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब जन्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के बाद अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

सीहोर के बुधनी में खड़ी ट्रॉली से टकराई बाइक

युवक गंभीर घायल, रिप्लेक्टर नहीं होने से अंधेरे में नहीं दिखी ट्रॉली



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के बुधनी तहसील में जीवनतला जोड़ के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली से बाइक सवार युवक टकरा गया। हादसे में सनखेड़ी निवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों और राहगीरों ने घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।
ट्रॉली पर नहीं था रिप्लेक्टर या संकेतक: जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली पर न तो रिप्लेक्टर लगा था और न ही कोई संकेतक बोर्ड था। अंधेरा होने के कारण बाइक चालक को ट्रॉली समय रहते दिखाई नहीं दी। सामान्य गति से जा रहा बाइक सवार सीधे ट्रॉली से जा टकराया।

टक्कर के बाद सड़क पर गिरा युवक: टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सड़क किनारे खड़े भारी वाहन बन रहे खतरा: स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना सुरक्षा संकेतक के सड़क किनारे खड़े भारी वाहन राहगीरों के लिए खतरा बन रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने और सड़क किनारे खड़े वाहनों पर रिप्लेक्टर व संकेतक अनिवार्य रूप से लगाने की मांग की है।

गांव-ढाबों पर दबिश, 33 लीटर अवैध शराब मिली

दो महिला समेत चार को थाने से जमानत, एसपी बोले- नहीं बिकने देंगे अवैध शराब



मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खंडवा सिटी कोतवाली पुलिस ने सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चार प्रकरण दर्ज किए। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को अवैध शराब के साथ पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 33 लीटर अवैध शराब जन्त की। आरोपियों को थाने से नोटिस पर छोड़ दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में की गई। एसपी जैन ने बताया कि, अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कोतवाली पुलिस की टीम ने एक ढाबे सहित ग्राम बेड़ियाव, टिगरिया और लोहारी नाका क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपियों के पास हाथभट्टी से तैयार कच्ची महुआ शराब मिली, जबकि एक आरोपी के कब्जे से देशी प्लेन शराब के क्वार्टर बरामद किए गए।

30 लीटर कच्ची महुआ शराब मिली: टीआई प्रवीण आर्य ने बताया कि जन्त शराब में 30 लीटर हाथभट्टी की कच्ची महुआ शराब शामिल है। इसे तीन प्लास्टिक डिब्बों और पाउच में रखा गया था। इसके अलावा 18 क्वार्टर देशी प्लेन शराब, जिसकी मात्रा 3.240 बल्क लीटर बताई गई है, उसे भी जन्त किया गया है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मारा

रतलाम में पांच दिन पहले नाले में औंधे मुंह मिला था शव, राखी से पहले ही रची थी हत्या की साजिश

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में सरवन थाना क्षेत्र के ग्राम बोरदा में पांच दिन पहले मिले 32 वर्षीय युवक के शव का मामला हत्या का निकला है। पुलिस जांच में सामने आया कि पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की थी। पत्नी ने सोते समय पति पर कुल्हाड़ी से वार किया, जबकि प्रेमी ने उसके पैर बांध दिए। इसके बाद प्रेमी ने अपने दोस्त की मदद से शव को घर से करीब 50 मीटर दूर नाले में फेंक दिया। पुलिस ने मामले में मृतक की पत्नी ललिता, उसके प्रेमी राकेश और प्रेमी के दोस्त भूरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 2 लाख रुपए की मश्रुका भी जन्त की है।

2 सितंबर को नाले में मिला था शव: 2 सितंबर को सरवन थाना क्षेत्र की बेड़दा चौकी के ग्राम बोरदा में एक युवक का शव मिला था। मृतक की पहचान भीमा पिता मनोहर चरपोटा निवासी बोरदा के रूप में हुई थी। प्रारंभिक जांच में युवक के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किए जाने की आशंका सामने आई थी। शव मिलने से पहले मृतक की पत्नी ललिता गायब हो गई थी, जिसके चलते पुलिस



का शक उस पर गया।

पुलिस ने दो दिन पहले ललिता को तलाश कर गिरफ्तार किया। कोर्ट से रिमांड लेकर पूछताछ की गई तो उसने हत्या की पूरी कहानी पुलिस को बता दी। इसके बाद पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया।

एक महीने पहले पति को पता चला था

प्रेम संबंध: पुलिस के अनुसार, ललिता के करीब एक महीने पहले राकेश के साथ प्रेम संबंध बने थे। इसकी जानकारी भीमा को हो गई थी। पति के सामने संबंध उजागर होने के बाद ललिता और उसका प्रेमी डर गए थे। इसके बाद दोनों ने भीमा की हत्या की योजना बनाई।

इटारसी में अवैध शराब पर आबकारी की दबिश

5 इलाकों में 550 किलो महुआ लाहन, 40 लीटर शराब जब्त, 8 केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। सागर में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों और कई लोगों के बीमार होने की खबरों के बाद प्रदेशभर में प्रशासन अलर्ट पर है। इसी के चलते नर्मदापुरम जिले में भी अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को इटारसी शहर के अलग-अलग इलाकों में विभाग ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के आदेश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आबकारी विभाग की टीम ने इटारसी शहर के नाला मोहल्ला, सूरजगंज, बालाजी मंदिर क्षेत्र, मेहरा गांव और गरीबी लाइन में दबिश दी।

कहां से कितनी जब्ती: इस कार्रवाई के दौरान टीम ने मध्य प्रदेश आबकारी



अधिनियम, 1915 के तहत कुल 8 मामले दर्ज किए। अलग-अलग जगहों से करीब 550 किलोग्राम महुआ लाहन और

40 लीटर हाथभट्टी शराब जन्त की गई। जन्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 63 हजार रुपए है।

खरगोन के कसरावद-गोगांवा में डेढ़-डेढ़ इंच बारिश

कपास की चुनाई पर संकट, जिले में अब तक 26.1 इंच पानी



मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में सोमवार रात हल्की से तेज बारिश का दौर जारी रहा। कसरावद और गोगांवा में रुक-रुककर करीब डेढ़-डेढ़ इंच बारिश हुई। खरगोन और महेश्वर में भी आधे इंच से अधिक पानी बरसा। बारिश से कपास की चुनाई प्रभावित होने के साथ सोयाबीन की फसल को भी नुकसान की आशंका है।

कपास में नमी से क्वालिटी खराब

होने की आशंका: किसान महेश यादव और बद्रीलाल यादव ने बताया कि खेतों में कपास की चुनाई की तैयारी चल रही है। ऐसे में तेज बारिश होने से कपास में नमी आ जाएगी। इससे चुनाई प्रभावित होने के साथ कपास की गुणवत्ता खराब होने की आशंका है।

कसरावद में 36, गोगांवा में 37 मिमी बारिश: भू-अभिलेख कार्यालय के

अनुसार, कसरावद में 36 मिमी, गोगांवा में 37 मिमी, महेश्वर में 19 मिमी, खरगोन में 12 मिमी और भगवानपुरा में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले में अब तक कुल 26.1 इंच बारिश हो चुकी है, जो औसत से करीब 5 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में 25.7 इंच बारिश हुई थी। हालांकि, जिले के सालाना औसत 32.6 इंच के मुकाबले अभी भी करीब 6.5 इंच बारिश कम है।

तापमान 30 डिग्री से नीचे, उमस से राहत: पिछले एक सप्ताह से बादल और बारिश के कारण दिन के तापमान में करीब 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे बना हुआ है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है।

अगले चार दिन बारिश के आसार: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले चार दिनों तक प्रदेश के पश्चिमी हिस्से के साथ खरगोन में भी बादल और बारिश वाला मौसम बने रहने की संभावना है। इससे खेतों में तैयार हो रही फसलों पर मौसम का असर जारी रहने की आशंका है।

आबकारी विभाग की इस कार्रवाई में वृत्त प्रभारी और सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार, आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पडरिया और आर.पी. निमोदा शामिल थे। इनके साथ प्रधान आबकारी आरक्षक दुर्गाप्रसाद मांझी, मदन रघुवंशी और राजेश गौर भी मौजूद थे। आबकारी आरक्षक धर्मेन्द्र बारगे और दुर्गेश पठारिया के साथ महिला आबकारी आरक्षक भावना यादव और माया पांडेयल ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया।

संदिग्ध क्षेत्रों में जारी निगरानी: जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। विभाग की टीम संदिग्ध इलाकों पर नजर रख रही है और आने वाले दिनों में भी ऐसी ही कार्रवाई की जाएगी। आबकारी विभाग की इस सख्ती से अवैध शराब कारोबारियों पर दबाव बढ़ा है।

बुरहानपुर में अवैध शराब पर पुलिस-प्रशासन की दबिश

जैनाबाद-बलवार टेकरी से 215 लीटर कच्ची शराब और 3300 किलो महुआ लहान जब्त

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। सागर में हुए शराब कांड के बाद बुरहानपुर जिला प्रशासन और पुलिस सख्त हो गई है। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देश पर एक टीम ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया। मंगलवार सुबह शहर से सटे जैनाबाद, बलवार टेकरी और आहूखाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। इस दौरान टीम ने 215 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब और 3300 किलोग्राम महुआ लहान जन्त किया। आबकारी एक्ट के तहत 10 मामले दर्ज किए गए। जन्त की गई शराब और महुआ लहान की कीमत करीब 3.80 लाख रुपए बताई जा रही है।

देखें कार्रवाई के दौरान की तस्वीरें: छापेमारी टीम में एसडीएम पल्लवी पुराणिक, सीएसपी विनोद सिंह कुशवाह, सहायक आबकारी अधिकारी मुकेश गौर और शिकारपुरा थाना प्रभारी संदीप चौरसिया शामिल थे। इनके साथ



नायब तहसीलदार रजनीश उपाध्याय, आबकारी उपनिरीक्षक शेर सिंह मोरे और केतन भाबर् भी मौजूद थे।

जैनाबाद, बलवार टेकरी और आहूखाना क्षेत्र के कुछ घरों, जमीन के अंदर और झाड़ियों के बीच प्लास्टिक की कैन में महुआ लहान छिपाकर रखा गया था। पुलिस टीम ने मौके पर ही इसे

खत्म कर दिया। खाली कैन एक पिकअप में भरकर थाने ले जाया गया।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी मुकेश गौर ने बताया कि सामान की घटना को देखते हुए जिले में सतर्कता के तौर पर यह कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रेलवे ग्रुप-D परीक्षा में बिहार का फर्जी अभ्यर्थी गिरफ्तार

रतलाम में रेटिना मैचिंग टेस्ट में पकड़ा गया, फिजिकल टैड में ठी हुआ था शामिल

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में रेलवे ग्रुप-ष्ठ (लेवल-वन) की भर्ती के लिए रेलवे ग्रांड पर चल रहे फिजिकल एफिशियेंसी टेस्ट (PET) में बिहार का एक फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया। रेटिना मैचिंग के दौरान उसकी पहचान हो गई। जांच में सामने आया कि आरोपी 2 सितंबर को भी इसी ग्रांड पर एक अन्य अभ्यर्थी की जगह फिजिकल टेस्ट दे चुका था। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ पश्चिम रेलवे मुंबई के कार्यालय अधीक्षक राजेश्वर तिवारी की शिकायत पर जीआरपी थाना रतलाम ने फर्जी अभ्यर्थी अजीत कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज पेश करने का केस दर्ज किया है। मामले में अभ्यर्थी निरंजन कुमार और कुंदन कुमार के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है।

रेटिना मैचिंग में पकड़ा गया: रविवार सुबह करीब 6 बजे रेलवे ग्रांड पर PET चल रहा था। बिहार के मुंगेर जिले के रतनख गांव निवासी अजीत कुमार (26) पिता दिनेश कुमार कुशवाह फिजिकल टेस्ट देने पहुंचा था।



रेटिना मैचिंग के दौरान कर्मचारियों को पता चला कि वह पहले भी टेस्ट दे चुका है। इस पर रेलवे कर्मचारियों ने अजीत को

तत्काल पकड़ लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। पूछताछ में फर्जी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने की बात सामने आई।

► 2 सितंबर को निरंजन की जगह दौड़ा था

जांच में पता चला कि अजीत कुमार 2 सितंबर को भी रेलवे ग्रांड पर फिजिकल टेस्ट दे चुका था। उस दिन उसने बिहार के मुंगेर निवासी अभ्यर्थी निरंजन कुमार की जगह दौड़ लगाई थी। हालांकि उस टेस्ट में वह अयोग्य पाया गया था। इसके बाद रविवार को अजीत एक अन्य अभ्यर्थी कुंदन कुमार की जगह PET देने पहुंचा। इस बार रेटिना मैचिंग के दौरान उसकी पहचान हो गई।

► निरंजन और कुंदन के खिलाफ भी केस

जीआरपी ने निरंजन कुमार निवासी धनपुरा, जिला मुंगेर और कुंदन कुमार निवासी शंभूपुरा, जिला मुंगेर के खिलाफ भी धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। दोनों अभ्यर्थियों की जगह फर्जी अभ्यर्थी अजीत कुमार PET देने पहुंचा था। जीआरपी ने अजीत कुमार और निरंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं कुंदन कुमार रतलाम में परीक्षा देने नहीं आया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

► रैकेट में शामिल अन्य लोगों से होगी पूछताछ

चौकी प्रभारी रामपाल इवने ने बताया कि गिरफ्तार अजीत कुमार और निरंजन कुमार को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस रिमांड लेकर दोनों से पूछताछ करेगी। पूछताछ में फर्जी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने वाले इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया



मोकी, चीन एजेंसी। कप्तान अनमोल एक्का के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को मोकी, चीन में दक्षिण कोरिया को 7-3 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ मौजूदा चैंपियन भारत ने जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक तीन मैच खेले हैं, जिसमें उसे दो जीत और एक ड्रॉ मिला है।

उसके खाते में 7 अंक हैं। भारत बुधवार को अपने आखिरी पूल मैच में चीनी तापे का सामना करेगा। इस मुकाबले में जीत हासिल करते ही भारतीय टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी।

पहले तीन क्वार्टर में काटे की टक्कर- दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पांचवें मिनट में कप्तान अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत

को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दहोान चोई के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 18वें मिनट में लव नूर सिंह ने मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे कर दिया।

कोरियाई टीम ने एक बार फिर तुरंत जवाब दिया। ह्योगुक यू ने अगले 60 सेकंड के भीतर पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। 20वें मिनट में अजीत

यादव ने गोल कर भारत को हाफ टाइम तक 3-2 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भी बराबरी-दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी मुकाबले में वापसी की। क्वार्टर के छठे मिनट में ह्योगुक यू ने अपना दूसरा गोल करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। भारत ने इसके बाद दबाव बढ़ाया और तीसरे क्वार्टर के 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह ने गोल करके भारतीय टीम को फिर 4-3 से आगे कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में भारत का तूफानी खेल-चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। भारत ने केवल तीन मिनट के अंतराल में तीन गोल दागकर दक्षिण कोरिया की वापसी की सारी उम्मीदें खत्म कर दीं। 55वें मिनट में गुरसेवक सिंह ने भारत के लिए पांचवां गोल किया।

इसके ठीक एक मिनट बाद कप्तान अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल दाग दिया और भारत की बढ़त 6-3 हो गई।

इसके बाद 58वें मिनट में आर्यन जेस ने भारत की ओर से सातवां गोल किया। इस तरह भारतीय टीम ने मुकाबला 7-3 से अपने नाम कर लिया।

अनमोल एक्का का शानदार प्रदर्शन- कप्तान अनमोल एक्का ने एक बार फिर अपनी गोल करने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के खिलाफ दो गोल किए। इसके साथ ही टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या 8 हो गई है।

अजहर अली ने पाकिस्तान क्रिकेट में मची उथल-पुथल की आलोचना की, सेलेक्टर आकिब जावेद पर उठाए सवाल



नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली ने राष्ट्रीय टीम में मची उथल-पुथल पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट ने वह 'अनप्रिडिक्टैबिलिटी' (अप्रत्याशितता) भी खो दी है जो कभी उसकी पहचान हुआ करती थी और अब वह सबसे बुरे तरीके से 'कॉन्सिस्टेंट' (लगातार एक जैसा प्रदर्शन करने वाला) हो गया है। उनकी यह टिप्पणी इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के चल रहे टेस्ट दौर के दौरान हैडिले और लॉर्ड्स में मिली करारी हार के बाद किए गए बड़े बदलावों के बाद आई है। हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को हटा दिया गया, जबकि 7 खिलाड़ियों को घर वापस भेज दिया गया। इन फैसलों की आलोचना हुई, शाहिद अफरीदी ने इन्हें 'अब तक का सबसे चौकाने वाला फैसला' बताया और मिसबाह-उल-हक ने विरोध में सेलेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया। अजहर ने 'द गार्डियन' से कहा, 'लोग कहते थे कि आप पाकिस्तान से कुछ भी उम्मीद कर सकते हैं - कि कोई भी टीम किसी भी दिन मैदान पर उतरकर या तो 46 रन पर ऑल आउट हो सकती है या फिर ऐसी स्थिति से जीत सकती है जिसकी किसी को उम्मीद न हो। लेकिन अब हम वह 'इनकॉन्सिस्टेंसी' (अनियमितता) भी नहीं दिखाते। हम पूरी तरह से 'कॉन्सिस्टेंट' हो गए हैं - लेकिन सबसे नकारात्मक तरीके से।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में क्रिकेट को सही देखभाल और एक ऐसे विजन की जरूरत है जो उस देश को उम्मीद दे सके जो क्रिकेट में अपनी दिलचस्पी खोने की कगार पर है। अगर हमने खुद को नहीं सुधारा, तो हम लोगों को वापस नहीं ला पाएंगे। आप उम्मीद नहीं छोड़ सकते, लेकिन संकेत अच्छे नहीं हैं।' अजहर ने हाईपरफॉर्मिस डायरेक्टर और सीनियर सेलेक्टर आकिब जावेद की भी आलोचना की और उन पर टीम के प्रदर्शन की जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन सालों से ऐसे ही खराब फैसले लिए जा रहे हैं। उन्हें प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उनके फैसलों पर सवाल उठने चाहिए। मैंने इस हफ्ते उनका इंटरव्यू सुना और वह सरफराज और बाबर पर दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने ही कुछ महीने पहले उन्हें नियुक्त किया था! किसी को परखने के लिए मेरे लिए इतना ही काफी था। उनके हर फैसले का उल्टा असर होता है और फिर वह कहते हैं: 'यह मेरी गलती नहीं है।' पहले खुद को तो देखिए। और अगर आप इस टीम को संभाल नहीं सकते, अगर आप पाकिस्तान क्रिकेट में कोई बदलाव नहीं ला सकते, तो हट जाइए।' अजहर ने कप्तान बाबर आजम के प्रति भी सहानुभूति जताई और कहा कि इस अस्थिरता ने उनके काम को बेहद मुश्किल बना दिया है। उन्होंने कहा, 'शायद अभी पाकिस्तान की कप्तानी करने का सबसे बुरा समय है। मुझे लगता है कि उन्हें अपने विकल्पों पर भी विचार करना चाहिए। हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा दौर आता है जब वे कम स्कोर बनाते हैं, लेकिन एक देश के तौर पर हम उनसे लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते रहे और फिर उनकी आलोचना भी हुई।' उन्होंने कहा, 'इस बात का उनके दिमाग पर असर पड़ा है और उन्हें खुद पर शक होने लगा है, जबकि उन्हें अंदर से कोई खास सपोर्ट भी नहीं मिला।

भारत का पूरा शेड्यूल आया सामने, इन स्टार खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होगा। हालांकि, कुछ खेलों में मुकाबले आधिकारिक उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरू हो जाएंगे। भारत की एशियन गेम्स 2026 में शुरुआत 17 सितंबर से तेकबॉल के साथ होगी। इसके बाद क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी, शूटिंग, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, वेटरलिफ्टिंग, कुश्ती और कई अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

भारत इस बार कई खेलों में अपने पिछले एशियन गेम्स खिताब को बचाने के इरादे से उतरेगा। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के साथ-साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी अपने खिताब का बचाव करना चाहेगी। भारतीय दल में ओलंपिक और



कॉमनवेल्थ गेम्स के कई पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं।

एशियन गेम्स 2026 में भारत की शुरुआत कब-भारत का अभियान 17

सितंबर से शुरू होगा। शुरुआती मुकाबलों में तेकबॉल के साथ महिला क्रिकेट भी अहम रहेगा। भारत की महिला क्रिकेट टीम 18 सितंबर को जापान के खिलाफ क्वार्टर

भारतीय स्टार ऑलराउंडर छठे नंबर पर पहुंचीं

चरणी का नंबर-1 ताज बरकरार



नई दिल्ली एजेंसी। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को Asia Cup 2026 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। ताजा महिला T20I गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने दो पायदान की छलांग लगाते हुए छठ स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, उनकी भारतीय साथी चरणी ने नंबर-1 की अपनी स्थिति बरकरार रखी है। एशिया कप में दीप्ति का शानदार प्रदर्शन दीप्ति शर्मा मौजूदा Asia Cup में शानदार फॉर्म में चल रही हैं। उन्होंने अब तक तीन मुकाबलों में 8 विकेट अपने नाम किए हैं और भारत को टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का असर ताजा T20I गेंदबाजी रैंकिंग में भी देखने को मिला। दाएं हाथ की स्पिनर दीप्ति ने दो स्थान की छलांग लगाकर छठ नंबर हासिल किया है। चरणी अब भी नंबर-1 चरणी ने महिला T20I गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है। इस तरह भारत की दो गेंदबाज शीर्ष दो स्थानों पर नहीं, बल्कि नंबर-1 और नंबर-6 पर हैं। दीप्ति शर्मा इससे पहले पिछले साल दिसंबर में T20I गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर चुकी हैं। अब वह चरणी से सिर्फ 60 रेटिंग अंक पीछे हैं। चरणी और दीप्ति के

बीच रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन, चार्ली डीन, नोंकुलुलेको म्लाबा और लॉरेन बेल मौजूद हैं। इन गेंदबाजों को भी हुआ फायदा एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली कई अन्य गेंदबाजों को भी ताजा T20I रैंकिंग में फायदा हुआ है। बांग्लादेश की मारुफा अख्तर ने 19 पायदान की बड़ी छलांग लगाई और अब वह 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, चमारी अटपट्टू पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 28वें नंबर पर पहुंच गई हैं। बांग्लादेश की सुल्ताना खातून ने भी नौ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 37वां स्थान हासिल किया है।

कप्तान के तौर पर गिल और पंड्या में कितना फर्क? आशीष नेहरा ने बताया दोनों में अंतर

नई दिल्ली एजेंसी। गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी के अंदाज की तुलना करते हुए दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में बड़ा अंतर बताया है। नेहरा के मुताबिक, पंड्या उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मुद्दे पर खुलकर बातचीत करते थे, जबकि गिल शांत, रिजर्व और कम बोलने वाले कप्तान हैं। हालांकि, नेहरा का मानना है कि गिल अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा।

पंड्या और गिल की कप्तानी में जमीन-आसमान का अंतर-क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (CAB) के अवॉर्ड समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे आशीष नेहरा से जब हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल की कप्तानी की तुलना करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने दोनों को एक-दूसरे से बिल्कुल अलग बताया। नेहरा ने कहा, 'दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना नॉर्थ पोल और साउथ पोल में होता है।'

उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे। अगर किसी चीज को लेकर उन्हें लगता



था कि वह सही नहीं हो रही है, तो वह सवाल पूछने और उस पर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे। **'पंड्या को मुझ पर पूरा भरोसा था'**-हार्दिक पंड्या के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए नेहरा ने कहा, 'पंड्या को मुझ पर पूरा भरोसा था।' उन्होंने आगे बताया, 'वह हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं होती थी, तो वह उसके बारे में बात करते थे।

' नेहरा के मुताबिक, पंड्या ऐसे कप्तान थे, जिनके साथ कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत की जा सकती थी। कोच और कप्तान के बीच यह संवाद उनके नेतृत्व के तरीके का अहम हिस्सा था।

गिल शांत और रिजर्व कप्तान हैं-वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में

ज्यादा शांत और रिजर्व हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि गिल पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं।

'गिल अभी वर्क इन प्रोग्रेस हैं'-शुभमन गिल की कप्तानी को लेकर नेहरा ने कहा कि वह अभी सीखने के दौर में हैं। उन्होंने कहा, 'गिल अभी वर्क इन प्रोग्रेस हैं।' नेहरा ने गिल की उम्र और उनके कप्तानी अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि वह अभी सिर्फ 26-27 साल के हैं और उन्होंने लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है। उनके पास कप्तानी का अनुभव भी अभी सीमित है।

कोको गॉफ ने इवा जोविक को हराकर व्वाटर् फाइनल में बनाई जगह



न्यूयॉर्क एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी हमवतन इवा जोविक को सीधे सेटों में हराकर रूह्रदट्ट 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आर्थर एश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गॉफ ने 1 घंटे 33 मिनट में जोविक को 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी गॉफ अब क्वार्टर फाइनल में रूस की मीरा एंड्रीवा के खिलाफ कोर्ट पर उतरेंगी। पहले सेट में गॉफ का दबदबा मुकाबले की शुरुआत में इवा जोविक ने अपना शुरुआती गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन इसके बाद गॉफ ने शानदार वापसी की। गॉफ ने पहले सेट के आखिरी 13 में से 12 अंक अपने नाम किए। उन्होंने जोविक की सर्विस को तीन बार तोड़ा और पहला सेट आसानी से 6-1 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में जोविक ने दी कड़ी चुनौती

दूसरे सेट में 18 वर्षीय जोविक ने आक्रामक खेल दिखाया और गॉफ के सामने कई मुश्किलें खड़ी कीं। गॉफ ने पांचवें गेम में जोविक की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल की। हालांकि, जोविक ने तुरंत वापसी करते हुए गॉफ की सर्विस तोड़ दी और मुकाबले को फिर बराबरी के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच काटे की टक्कर देखने को मिली।

4-4 के बाद गॉफ ने बदला मैच का रुख

दूसरे सेट में स्कोर 4-4 होने के बाद गॉफ ने दबाव के बीच शानदार खेल दिखाया। उन्होंने एक बार फिर ब्रेक हासिल किया और इसके बाद अपना गेम जीतकर दूसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गॉफ ने मुकाबला सीधे सेटों में खत्म करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

ऐतिहासिक T20I के लिए जापान टीम का ऐलान, 30 वर्षीय खिलाड़ी को मिली कप्तानी

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक T20I मुकाबले से कुछ सप्ताह पहले जापान क्रिकेट एसोसिएशन (JCA) ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 22 सितंबर को सानो में खेला जाएगा। जापान की कप्तान 30 वर्षीय केंडेल कडेवाकी-फ्लेमिंग संभालेंगे, जो टीम के सबसे अनुभवी और सफल बल्लेबाजों में शामिल हैं।

22 सितंबर को भारत से भिड़ेगा जापान और भारत के बीच यह मुकाबला सुजुकी कप का हिस्सा होगा। भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं और टीम के 19 सितंबर को सानो पहुंचने की उम्मीद है। यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए भी अहम होगा, क्योंकि इससे उसे परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का मौका मिलेगा। एशियन गेम्स के 12 खिलाड़ी जापान की



टीम में सुजुकी कप के लिए घोषित जापान की टीम में एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने वाले 12 खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा जापान, एक कुसुडा-नैन और एलेस्टर कडेवाकी-फ्लेमिंग-को भी भारत के खिलाफ मुकाबले के लिए टीम में जगह मिली है। केंडेल कडेवाकी-फ्लेमिंग के हाथों में कप्तानी कडेवाकी-फ्लेमिंग जापान के सबसे प्रमुख

T20I बल्लेबाज हैं। उन्होंने 55 T20I मैचों में 1,871 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 38.18 और स्ट्राइक रेट 139.41 है। उनके नाम 2 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। वह T20I क्रिकेट में 1,000 रन पूरे करने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। भारत के खिलाफ मुकाबले में उनकी बल्लेबाजी जापान के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक होगी।

विकास कार्यों को लेकर प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक

सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर मंगलवार को सर्किट हाउस में मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में सतना शहर एवं जिले से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों योजनाओं और जनहित के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई इस दौरान प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को विकास कार्यों में गति लाने और आम लोगों से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए बैठक में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार सहित जिले के जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ निर्धारित समय



में आम लोगों तक पहुंचना चाहिए उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की जमीनी स्थिति की नियमित समीक्षा करने और कार्यों में अनावश्यक देरी से बचने के निर्देश दिए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश बैठक के दौरान जिले में चल रहे विकास कार्यों के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति पर भी चर्चा की गई। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान और उन्हें शासन की योजनाओं का

लाभ उपलब्ध कराना होना चाहिए उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने की बात कही अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लॉबिग कार्यों की समीक्षा कर उन्हें निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं शहर और जिले के विकास पर मंथन बैठक में सतना शहर की विकास आवश्यकताओं सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी विचार-



विमर्श किया गया। नगरीय क्षेत्र से जुड़े विषयों पर नगर निगम के अधिकारियों से जानकारी ली गई साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनसमस्याओं को बैठक में रखा गया प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों और शिकायतों पर गंभीरता से विचार करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य केवल निर्माण तक सीमित न रहकर आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना होना

चाहिए बैठक में सांसद गणेश सिंह, विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडे, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस., पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह और नगर निगम आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गोंड सहित अन्य जनसमस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।



महेंद्र कुमार तिवारी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे राज्यपाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की शिक्षा को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण ज्ञान-संपदा है। उच्च शिक्षा संस्थानों को इसके संरक्षण के साथ आधुनिक संदर्भों में इसकी उपयोगिता पर भी विद्यार्थियों को जानकारी देनी चाहिए कार्यशाला में भारतीय ज्ञान प्रणाली को उच्च शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने, इसके संरक्षण एवं समकालीन शिक्षा व्यवस्था में प्रभावी समावेश को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम विकास, शोध,

नवाचार तथा अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका पर विचार साझा किए उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंंदर सिंह परमार तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल भाई कोठारी ने भी भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता और इसके व्यापक विस्तार की आवश्यकता पर विचार रखे एकेएस विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान, संस्कृति, परंपराओं और जीवन-मूल्यों से परिचित कराने के लिए अकादमिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कामधेनु स्वीट्स पर खाद्य विभाग की छापेमारी, डोडा बर्फी का सैंपल जांच के लिए भेजा उपभोक्ता की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, लैब रिपोर्ट आने के बाद होगी आगे की प्रक्रिया



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सविन लाइन चौराहे स्थित कामधेनु स्वीट्स से खरीदी गई डोडा बर्फी को लेकर मिली उपभोक्ता शिकायत के बाद खाद्य विभाग ने प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। शिकायत के त्वरित निवारण और मिठाई की गुणवत्ता की जांच के लिए खाद्य

सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। विभाग ने डोडा बर्फी का नमूना लेकर उसे जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार उपभोक्ता की शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभिषेक बिहारी गौर और सीमा पटेल के संयुक्त दल ने कामधेनु स्वीट्स का औचक स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिकायत में उल्लेखित डोडा बर्फी की गुणवत्ता की तथ्यात्मक जांच के लिए मौके से खाद्य पदार्थ का नमूना संग्रहित किया गया खाद्य

विभाग की टीम ने डोडा बर्फी के नमूने को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित किया इसके बाद नमूना राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जा रहा है प्रयोगशाला में खाद्य पदार्थ के निर्धारित मानकों के अनुरूप होने की जांच की जाएगी अधिकारियों के मुताबिक, किसी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता को लेकर अंतिम निष्कर्ष प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही निकाला जाएगा। रिपोर्ट में यदि खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों के विपरीत पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक

अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी कार्रवाई खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल डोडा बर्फी के नमूने की जांच प्रक्रिया जारी है प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसके निष्कर्ष के आधार पर आगामी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण को लेकर विभाग द्वारा इस तरह के निरीक्षण और सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है अधिकारियों ने बताया कि खाद्य सामग्री में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है।

400 बेड के जिला अस्पताल में 550 से ज्यादा मरीज, 22 बेड के शिशु वार्ड में 62 बच्चे 9 बेड के PICU में 22 मरीज भर्ती, मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप से अस्पताल में बढ़ा दबाव फ्लोर बेड लगाकर हो रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है 400 मरीजों की निर्धारित क्षमता वाले अस्पताल में वर्तमान में 550 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं बेड की कमी के कारण कई मरीजों को फ्लोर बेड लगाकर उपचार दिया जा रहा है सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में 1858 मरीज पहुंचे, जिससे अस्पताल की व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव दिखाई दिया मेडिसिन ओपीडी में वायरल फीवर, वायरल निमोनिया ब्रोंकाइटिस निमोनिया और स्क्रब टाइफस के मरीजों की संख्या बढ़ी है इसके चलते मेडिसिन के मेल और फीमेल वार्ड में बेड उपलब्ध नहीं होने की स्थिति बनी हुई है। ओपीडी में मरीजों और उनके परिजनों



की भीड़ के कारण बैठने तक की पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है। शिशु वार्ड और PICU में क्षमता से कई गुना मरीज अस्पताल के शिशु वार्ड में स्थिति और अधिक चिंताजनक है 22 बेड की क्षमता वाले वार्ड में 62 बच्चे भर्ती हैं वहीं 9 बेड के PICU

में 22 बच्चों का उपचार चल रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार दोनों जगह क्षमता से अधिक मरीज होने के कारण अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ रही है शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव प्रजापति के अनुसार शिशु वार्ड और PICU को मिलाकर कुल 84 बच्चे भर्ती हैं, जबकि दोनों की संयुक्त क्षमता 31 बच्चों की है बच्चों में वायरल संक्रमण के साथ स्क्रब टाइफस के मामले भी सामने आ रहे हैं मेडिकल सौशलिस्ट डॉ. बद्री विशाल सिंह ने बताया कि अस्पताल इन दिख्ताई निमोनिया के वार्ड से लेकर आईसीयू तक में मरीजों की संख्या अधिक है वायरल फीवर, स्क्रब टाइफस और ब्रोंकाइटिस निमोनिया के मरीज बढ़ने से बेड की कमी बनी हुई है। ऐसे में मरीजों को फ्लोर बेड लगाकर उपचार दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारजाह चेंबर ऑफकॉमर्स के चेयरमैन से की भेंट, एमपी में बड़े निवेश की संभावना



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग (एआईएम कोग्रेस-2026) के दौरान शारजाह चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंस्टी एवं एक्सपो सेंटर के चेयरमैन अब्दुल सुल्तान अल ओवैस से सौजन्य भेंट की बैठक में मध्यप्रदेश और शारजाह के बीच द्विपक्ष व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओवैस को अगले साल

होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2027) में सहभागिता के लिये मध्यप्रदेश आमंत्रित किया व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल और बी-2-बी फेसम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारजाह चेंबर के साथ एक सुव्यवस्थित और रणनीतिक आर्थिक साझेदारी विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने चेयरमैन ओवैस से मध्यप्रदेश में एक उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का आग्रह किया। साथ ही, दोनों क्षेत्रों के उद्यमियों के बीच सेक्टर-आधारित बी-2-बी

बैठकों के आयोजन हेतु मध्यप्रदेश-शारजाह बिजनेस फेसम का प्रस्ताव भी रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के एमएसएमई और निर्यातकों को खाड़ी देशों के प्रमुख खरीदारों व वितरकों से जोड़ने के लिए शारजाह चेंबर से सहयोग का आह्वान किया बैठक में शारजाह की अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चैन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फर्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी रणनीतिक केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, प्रतिस्पर्धी लागत, विशाल औद्योगिक लैंड बैंक, विश्वस्तरीय इंफ्रैस्ट्रक्चर और देश के बड़े बाजारों से उत्कृष्ट कनेक्टिविटी के साथ देश का प्रमुख निवेश केंद्र बनकर उभर रहा है।

कोठी शराब दुकान पर ओवररेटिंग के आरोप, बिना रेट लिस्ट के बिक्री का दावा गांव-गांव शराब पहुंचने की शिकायत, कर्मचारियों पर दबंगई और ग्राहकों से अभद्रता के भी आरोप आबकारी विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के कोठी स्थित शराब दुकान को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी सामने आई है लोगों ने दुकान पर निर्धारित कीमत से अधिक दाम में शराब बेचने का आरोप लगाया है साथ ही दुकान पर शराब की रेट लिस्ट प्रदर्शित नहीं किए जाने की शिकायत भी की गई है स्थानीय लोगों का कहना है कि जब शराब की कीमत निर्धारित होती है तो ग्राहकों को जानकारी देने के लिए दुकान पर रेट लिस्ट स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जानी चाहिए लोगों के मुताबिक रेट लिस्ट नहीं होने से शराब की वास्तविक कीमत को लेकर ग्राहकों में असमंजस की स्थिति बनी रहती है इसी के चलते दुकान पर ओवररेटिंग किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी कर्मचारियों पर दबंगई के आरोप स्थानीय लोगों ने शराब दुकान



से जुड़े कुछ कर्मचारियों पर दबंगई और ग्राहकों के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप भी लगाए हैं उनका कहना है कि दुकान की बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और ग्राहकों को निर्धारित दर पर ही शराब उपलब्ध कराई जानी चाहिए लोगों ने प्रशासन से दुकान की बिक्री व्यवस्था की जांच कराने, रेट लिस्ट

अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने और ओवररेटिंग की शिकायतों की जांच करने की मांग की है गांव-गांव शराब पहुंचने का भी आरोप मामले में एक और गंभीर शिकायत सामने आई है स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोठी शराब दुकान से शराब आसपास के गांवों तक पहुंचाकर बेची जा रही है लोगों का कहना है कि यदि ऐसा हो

रहा है तो यह आबकारी व्यवस्था और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है स्थानीय लोगों ने मांग की है कि गांवों में शराब पहुंचने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए आबकारी और पुलिस की निगरानी पर सवाल लोगों ने पुलिस और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि यदि दुकान की नियमित निगरानी की जा रही है तो ओवररेटिंग और गांवों तक शराब पहुंचने जैसी शिकायतें क्यों सामने आ रही हैं अब देखना होगा कि कोठी पुलिस और आबकारी विभाग इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच के बाद क्या कार्रवाई की जाती है फिलहाल स्थानीय लोगों ने दुकान की बिक्री व्यवस्था की जांच और शिकायतों पर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

अब तक 4169 प्रभावितों को 2 करोड 5 लाख 97 हजार रुपये से अधिक की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत एवं जनसुविधाओं के पुनर्बहाली कार्य किए जा रहे हैं कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के नेतृत्व में राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों की टीमों प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सर्वेक्षण और राहत कार्यों में जुटी हैं जिले में 8 सितंबर 2026 तक 4169 प्रभावित परिवार के प्रकरणों में 2 करोड 5 लाख 97 हजार 400 रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर वितरित की जा रही है। चित्रकूट-मझगांव क्षेत्र में बाढ़ से अधिक प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई गई है मझगांव-चित्रकूट क्षेत्र में 1676 प्रकरणों में 83 लाख 59 हजार रुपये की

सहायता वितरित हुई है। इनमें पानी भरने से राशन, कपड़े और बर्तन आदि की क्षति के 1648 प्रकरणों में 82 लाख 40 हजार रुपये, जबकि 28 मकानों की आंशिक क्षति के लिए 1 लाख 19 हजार रुपये की सहायता शामिल है जिले की अन्य तहसीलों में भी प्रभावितों को आर्थिक सहायता दी गई है। रामपुर बाघेलान में 440 प्रकरणों में 26 लाख 38 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। जिनमें दो जनहानि के प्रकरणों में 8 लाख रुपये की सहायता भी शामिल है तहसील नागौद में 354 प्रकरणों में 15 लाख 25 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है जिनमें 1 जनहानि के प्रकरण में 4 लाख रुपये स्वीकृत किये गये है तहसील कोठी में 458 प्रकरणों में 19 लाख 72 हजार रुपये की स्वीकृत की गई है।